(ख) वर्ष 1977 के दौरान स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड इंटरनेशनल द्वारा कितनी मात्रा में इस्पात का आयात किया गया और इससे कितनी आय हुई ; और

(ग) वर्ष 1976 की तुलना में कितने प्रतिशत वृद्धि अथवा कमी हुई ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) जी, नहीं । स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि० के अधीन पांच इस्पात कारखानों का वर्ष 1977 में इस्पात पिण्ड तथा विक्रय इस्पात का कुल उत्पादन वर्ष 1976 के उत्पादन से क्रमश: 5.9 प्रतिशत और 5.7 प्रतिशत अधिक हुआ है ।

(ख) और (ग). सेल इन्टरनेशनल लि० ने वर्ष 1977 के दौरान 199.30 करोड़ रुपये मूल्य के 1,226,521 टन इस्पात का निर्यात किया था जो वर्ष 1976 में किए गए निर्यात की मात्रा और मूल्य से क्रमश: 5.75 प्रतिशत और 1.09 प्रतिशत कम था ।

Setting up of a National Institute of Unani

1479. SHRI L. L. KAPOOR: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government have taken any decision on the question of setting up a National Institute of Unani; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV): (a) and (b). A proposal to set up a National Institute of Unani is under the consideration of the Government and details thereof are being worked out.

अमरीकी राष्ट्रपति तथा ब्रिटेन के प्रधान मंत्री की यात्रा के बाद विदेश नीति में परिवर्तन

1480. **श्री अमर सिंह वी० राठवा** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अमरीकी राष्ट्रपति श्री कार्टर और ब्रिटेन के प्रधान मंत्री श्री कैलहन की हाल की भारत यात्रा ने भारत की गुटनिरपेक्ष नीति पर कोई प्रभाव डाला है और इसमें कुछ परिवर्तन भी हुए हैं ;

(ख) क्या भारत की वर्तमान विदेश नीति के सम्बन्ध में विपक्ष को भी विश्वास में लिया गया है ;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) भारत की विदेश नीति में हुए परिवर्तन पर विदेशों की क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कुण्डू): (क) जी, नहीं । भारत की गुट-निरपेक्षता की नीति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है ।

(ख) संसदीय सलाहकार समिति को, जिसमें विरोधी दल के सदस्य भी शामिल हैं, हमारी विदेश नीति की पहलकदमियों के बारे में नियमित रूप से सूचित रखा जाता है ।

(ग) और (घ). प्रश्न नहीं उठते ।